

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-23

नई दिल्ली शनिवार, 11 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये



कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ... 06

ई20 पेट्रोल से माइलेज में 3-5% तक कमी संभव

ज्यादा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर परफॉर्मेंस और कम कार्बन उत्सर्जन जैसे कई फायदे : पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण वाले ई20 पेट्रोल को लेकर पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि इससे कुछ वाहनों में माइलेज में 3 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है, लेकिन यह ईंधन कई अन्य मामलों में अधिक फायदेमंद है। मंत्रालय के अनुसार, ई20 में ज्यादा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक क्षमता, तेज दहन, बेहतर पिकअप, आसान एक्सेलरेशन और इंजन के बेहतर संचालन जैसे फायदे मिलते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि माइलेज वाहन के प्रदर्शन का केवल एक पैमाना है। ई20 पेट्रोल पर्यावरण के लिहाज से भी अधिक बेहतर है और इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि ई10 (पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) का लक्ष्य भारत ने जून 2022 में ही हासिल कर लिया था, जो तय समय से पांच महीने पहले था।

मंत्रालय के अनुसार, ई20 लागू करने से पहले ऑटोमोबाइल कंपनियों, कंपोनेंट निमाताओं, परीक्षण एजेंसियों और शोध



संस्थानों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा की गई। इंजन की क्षमता, ईंधन प्रणाली, सामग्री की अनुकूलता, उत्सर्जन, टिकाऊपन और वाहन संचालन जैसे सभी पहलुओं की जांच की गई।

मंत्रालय ने कहा कि यदि वाहन निमाता कंपनियां ई20 के परिणामों से संतुष्ट नहीं

होंगी तो वे इसका समर्थन नहीं करतीं और न ही वाहनों पर वारंटी देतीं। वर्तमान में लगभग सभी प्रमुख वाहन निमाता पुरानी और नई दोनों तरह की गाड़ियों के लिए वारंटी दे रहे हैं।

मंत्रालय ने बताया कि मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2.84 करोड़ वाहनों

प्रीमियम पेट्रोल से तुलना सही नहीं

मंत्रालय ने कहा कि ई20 की तुलना प्रीमियम पेट्रोल से करना सही नहीं है। प्रीमियम ईंधन सीमित मात्रा में उपलब्ध होते हैं और उनमें विशेष एंजिंटिव्स मिलाए जाते हैं, जिससे उनकी कीमत अधिक होती है। मंत्रालय के अनुसार, देश में शुद्ध पेट्रोल, ई10 और ई20 के लिए अलग-अलग आपूर्ति व्यवस्था बनाना व्यवहारिक रूप से कठिन है।

एथेनॉल इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा निवेश

सरकार ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में एथेनॉल उत्पादन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सरकारी बैंकों ने हर साल करीब एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

ई20 लक्ष्य को पूरा करने के लिए देश में एथेनॉल प्लांट, डिस्टिलरी, भंडारण सुविधाएं और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ई20 भारत को स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर ईंधन व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंत्रालय के अनुसार, ई20 पेट्रोल से सूक्ष्म कणों का उत्सर्जन कम होता है और पूरे जीवन चक्र के आधार पर कार्बन उत्सर्जन में करीब 40 प्रतिशत तक कमी आती है। मंत्रालय ने इसे ई10 या सामान्य पेट्रोल की तुलना में अधिक स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाला ईंधन बताया।

न्यूजीलैंड में पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत

भारतीय समुदाय के प्यार से अभिभूत हुए प्रधानमंत्री, कहा- भारत से उनका रिश्ता अटूट



ऑकलैंड, एजेंसी। तीन देशों के दौर के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां रह रहे भारतीय समुदाय के प्यार और अपनापन की सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेश में रहने के बावजूद भारतीयों का भारत से जुड़ाव आज भी मजबूत और अटूट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच ह्वाक्सह्न पर लिखा कि न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय का स्नेह और गर्मजोशी उनके दिल को छू गई। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय ने चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा का इंतजार किया और आज उनका उत्साह साफ दिखाई दे रहा है।

यह 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली आधिकारिक यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी के पहुंचने पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने ऑकलैंड एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भारत की उच्चायुक्त

मुआनपुई सैयावा और न्यूजीलैंड के कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद अपनी यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय संबंधों की और मजबूत करने पर चर्चा के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच दोस्ती की आगे बढ़ाने के लिए यह यात्रा महत्वपूर्ण अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे।

स्काई टावर से दिखी

दोस्ती की झलक

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में ऑकलैंड के प्रसिद्ध स्काई टावर को विशेष रोशनी से सजाया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह सजावट दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती और अच्छे संबंधों का प्रतीक है।

महासमुंद में 17.93

करोड़ का धान घोटाला

54 खरीदी केंद्रों से स्टॉक गायब, 15 समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महासमुंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में करीब 17.93 करोड़ रुपये के कथित धान घोटाले का मामला सामने आया है। जांच में 54 धान खरीदी केंद्रों के रिकॉर्ड में स्टॉक दर्ज मिला, लेकिन भौतिक सत्यापन के दौरान वहां धान उपलब्ध नहीं पाया गया। मामले में अब तक 15 सहकारी समितियों के प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।



जांचकर्ता के अनुसार, वर्ष 2025-26 के धान खरीदी सत्र में जिले के 182 खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की गई थी। रिकॉर्ड के अनुसार मिलिंग के बाद 57,860.47 क्विंटल धान खरीदी केंद्रों में शेष होना चाहिए था, लेकिन जांच के दौरान 54 केंद्रों पर यह स्टॉक नहीं मिला।

समर्थन मूल्य 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के आधार पर गायब धान की कीमत करीब 17 करोड़ 93 लाख 67 हजार 457 रुपये आंकी गई है।

जांच में आरंगी और बम्हनी सहकारी समितियों में सबसे अधिक धान गायब मिला है। दोनों केंद्रों से चार-चार हजार क्विंटल से अधिक धान की कमी सामने आई है। इसके अलावा तोषगांव, बघरपाली, मोंगरपाली, समहर, कोटद्वारी, मल्यामाल, बेलसोंडा और खेमड़ा समितियों में भी बड़ी मात्रा में धान की कमी मिली है। धान खरीदी केंद्रों की निगरानी के लिए नोडल और मॉनिटरिंग अधिकारियों की नियुक्ति की जाती है। साथ ही समय-समय पर स्टॉक का भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में धान गायब मिलने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला विपणन अधिकारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि अब तक 15 सहकारी समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है और रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है।

समुद्री सुरक्षा पर तटरक्षक और उद्योग का मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तटरक्षक बल ने भविष्य की समुद्री सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए जहाज निर्माण उद्योग के साथ विशेष सम्मेलन आयोजित किया। इसमें समुद्री सुरक्षा के बदलते स्वरूप, दूरदर्शन समुद्री क्षेत्रों में परिचालन चुनौतियां, आधुनिक जहाज डिजाइन और नई तकनीकों के इस्तेमाल पर विशेषज्ञों ने चर्चा की। नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन का विषय ह्वाक्सह्नडिंग कैपेबिलिटी फॉर डिस्टेंट होराइजनस था। इसका उद्घाटन भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने किया। सम्मेलन में प्रमुख शिपयार्ड, जहाज डिजाइन संस्थानों और तटरक्षक बल के तकनीकी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन का उद्देश्य भविष्य में तटरक्षक बल के लिए तैयार किए जाने वाले जहाजों और विशेष समुद्री प्लेटफॉर्म के लिए आधुनिक एवं स्पष्ट तकनीकी मानक विकसित करना था।

सम्मेलन में गार्डन रोच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, एलएंडटी शिपबिल्डिंग्स सहित कई संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन संस्थानों ने भविष्य के समुद्री प्लेटफॉर्म के निर्माण और तकनीकी आवश्यकताओं को लेकर अपने सुझाव साझा किए। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों, समुद्री अपराध, तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, खोज एवं बचाव अभियानों और आपदा राहत कार्यों को देखते हुए आधुनिक पोतों की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

गगनयान के पैराशूट का सफल परीक्षण

श्योपुर में इसरो की बड़ी कामयाबी, अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी की तैयारी मजबूत

भोपाल, एजेंसी। भारत के पहले

मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारियों को बड़ी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित एरियल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीआरडी) के ड्राप जेन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान के मुख्य पैराशूट सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण के सफल होने से अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी को लेकर भरोसा और मजबूत हुआ है।

गगनयान मिशन की तैयारियों के तहत किए गए इस परीक्षण में भारतीय वायुसेना के आईएल-76 विमान का इस्तेमाल किया गया। विमान से करीब ढाई किलोमीटर की ऊंचाई से एक



मानव अंतरिक्ष मिशन की सुरक्षा में अहम उपलब्धि

श्योपुर में हुआ यह परीक्षण भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस सफलता के साथ गगनयान मिशन की तैयारियों को नई गति मिली है। अब देश उस ऐतिहासिक क्षण की ओर बढ़ रहा है, जब भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वदेशी तकनीक के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा कर सुरक्षित घरी पर लौटेंगे।

परीक्षण असेंबली को हवा में छोड़ा गया, जिसमें मुख्य पैराशूट और डमी पेलोड लगाया गया था।

परीक्षण के दौरान सबसे पहले

ड्रोग पैराशूट खुला, जिसने असेंबली को संतुलित करने और उसकी गति नियंत्रित करने का काम किया। इसके बाद मुख्य पैराशूट

आईएमएटी श्रृंखला का पांचवां सफल परीक्षण

इसरो के अनुसार, इस परीक्षण का उद्देश्य बिना चालक वाले पहले गगनयान मिशन जी-1 के दौरान अधिकतम संभावित भार की स्थिति में मुख्य पैराशूट प्रणाली की मजबूती और कार्यक्षमता की जांच करना था। यह इटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयरड्रॉप टेस्ट (आईएमएटी) श्रृंखला का पांचवां सफल परीक्षण है।

गगनयान के क्रू मॉड्यूल में कुल 10 पैराशूट लगाए जाएंगे। इनमें कुछ पैराशूट सुरक्षा कवर अलग करने, कुछ गति कम करने और कुछ मुख्य पैराशूट को बाहर निकालने का काम करेंगे। अंतिम चरण में मुख्य पैराशूट मॉड्यूल को सुरक्षित गति से घरती पर उतारेंगे।

मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या कोई सरकार दिल्ली की जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ करा सकती है। उन्होंने कहा कि

500 साल में नहीं हुआ अयोध्या का विकास : सीएम योगी

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़े जाने के पुराने विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा-कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए आस्था के साथ खिलवाड़ किया।

मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या कोई सरकार दिल्ली की जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ करा सकती है। उन्होंने कहा कि



हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाना सपा और कांग्रेस की सरकारों का पाप था, जिसे जनता ने कभी स्वीकार नहीं किया।

सीएम योगी ने अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में 432 करोड़

'अयोध्या अब विकास और विरासत का मॉडल'

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब विकास, विरासत और आध्यात्मिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बन रही है। उन्होंने विपक्ष पर धार्मिक स्थलों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब विकास और विरासत के मॉडल को स्वीकार कर चुकी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र और सहायता राशि वितरित की तथा पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।

रुपये से अधिक लागत वाली 217 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक अयोध्या के विकास को रोके रखा, वही

आज आस्था की बात कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने अयोध्या में वह परिवर्तन किया है, जो पिछले 500 वर्षों में नहीं हो पाया था।

चेक बाउंस मामला :

राजपाल यादव की सजा बरकरार, सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए दो महीने की मोहलत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस के सात मामलों में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि, सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता को पहले भुगतान की गई राशि को ध्यान में रखते हुए अदालत ने उनकी सजा को छह महीने से घटाकर तीन महीने कर दिया। कोर्ट ने उन्हें फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के लिए दो महीने का समय भी दिया है। राजपाल यादव के वकील ने बताया कि हाईकोर्ट ने सातों चेक



बाउंस मामलों में दोषसिद्धि कायम रखी है। अदालत ने प्रत्येक मामले में 1.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे कुल जुर्माने की राशि 7.35 करोड़ रुपये हो गई है। अदालत के आदेश के अनुसार, 75 हजार रुपये शिकायतकर्ता को दिए जाएंगे, जबकि 25 हजार रुपये राज्य सरकार के खाते में जमा होंगे। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी, इसलिए अभिनेता को तीन महीने की जेल की सजा भुगतनी होगी।

मेरठ में लाठीचार्ज मामला:

एनएचआरसी ने यूपी के डीजीपी और गृह सचिव से 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में पुलिस लाठीचार्ज और हिरासत में मारपीट के मामले को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और गृह सचिव को नोटिस जारी किया है। आयोग ने दोनों अधिकारियों से 15 दिनों के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। यह कार्रवाई प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायत डॉ. अंबेडकर जन कल्याण समिति, भोपाल की ओर से आयोग को भेजी गई थी। शिकायत पर विचार करने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो के अध्यक्षता वाली पीठ ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत मामले का संज्ञान लिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मेरठ में ललित गौतम हत्याकांड में पुलिस अधिकारियों की व्यक्तिगत न्याय की मांग को लेकर आयोजित



शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान स्थानीय पुलिस ने बिना किसी उकसावे के प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया। आरोप है कि इस कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारियों को गंभीर शारीरिक चोटें आईं। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हिरासत में लिए गए निहत्थे लोगों को बेरहमी से पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शिकायत में आयोग से मांग की गई कि इस पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही वायरल वीडियो को सत्यता की जांच कर संबंधित पुलिस अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार

674.19 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.193 अरब डॉलर पहुंच गया। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को दी गई। रिपोर्टिंग सप्ताह के दौरान भारत के सोने का भंडार (गोल्ड रिजर्व्स) का मूल्य भी 2.669 अरब डॉलर बढ़कर 105.205 अरब डॉलर हो गया।

न्यूजीलैंड में भी यूपीआई की दस्तक

डिजिटल भुगतान प्रणाली अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण में होगी मददगार : ट्रेड मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत की स्वदेशी डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का वैश्विक विस्तार लगातार बढ़ रहा है। अब न्यूजीलैंड ने भी इसे अपनाने की इच्छा जताई है। न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैकले ने कहा कि उनका देश यूपीआई का स्वागत करने के लिए तैयार है और यह अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण में अहम



भूमिका निभा सकता है।

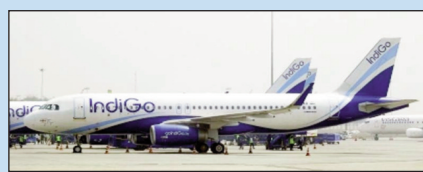
आईएनएस से बातचीत में मैकले ने कहा कि न्यूजीलैंड एक खुली अर्थव्यवस्था है और वहां आने वाली हर तकनीक को देश के नियमों के अनुरूप होना होता है। यूपीआई



वर्तमान में जारी किए जा रहे गुलाबी कागजी टिकट (पिंक पेपर टिकट) केवल 31 जुलाई 2026 तक ही मान्य रहेंगे।

के लिए यह कोई बड़ी चुनौती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आज बेहद महत्वपूर्ण है और न्यूजीलैंड अपनी अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इस प्रक्रिया को और आसान बनाएगा। टॉड मैकले ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच कारोबारी संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

कार्गो गिरने पर इंडिगो को डीजीसीए की फटकार



नई दिल्ली, एजेंसी। उड़ान के दौरान कार्गो (माल) गिरने की घटना को लेकर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश की सबसे बड़ी चोरलू एयरलाइन इंडिगो को चेतावनी जारी की है। जांच में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और विमान (खतरनाक सामान का परिवहन) नियम, 2026 के कुछ प्रावधानों का उल्लंघन मिलने के बाद नियामक ने एयरलाइन को वार्निंग लेटर जारी किया है।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने स्टॉक एक्सचेंज को दो जानकारी में बताया कि डीजीसीए के ऑडिट के बाद कंपनी को चेतावनी पत्र मिला है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए गए सुधारात्मक कदमों की रिपोर्ट भी मांगी गई है।

कंपनी के अनुसार, यह मामला जनवरी 2026 का है। इंडिगो की एक उड़ान के लैंड करने के बाद जमीन पर कार्गो गिरा हुआ पाया गया था। इसके बाद डीजीसीए ने मामले की जांच की, जिसमें एसओपी से जुड़ी कुछ खामियां सामने आईं। इसके आधार पर नियामक ने 8 जुलाई को एयरलाइन को चेतावनी पत्र जारी किया।

ग्रेटर नोएडा में भारी बारिश से लभराव:सोसाइटियों के बेसमेंट और लिफ्ट में भरा पानी, सड़के डूबीं



एजेंसी नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़कों के जलमग्न होने, सोसाइटीयों के बेसमेंट में पानी भरने और नालों के

ओवरफ्लो होने से निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति ने जल निकासी व्यवस्था को लेकर प्राधिकरण के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गुरुवार को ग्रेटर नोएडा की ईटा-2 स्थित मिग्सन टिवन्स

सोसायटी के बेसमेंट में भारी जलभराव देखा गया। बेसमेंट में पानी भरने से वहां खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। सोसायटी के एक निवासी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया और शिकायत की कि मदद के लिए संपर्क करने के बावजूद कोई सहायता नहीं मिली है, जबकि पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की अरिहंत गार्डन सोसायटी के बाहर मुख्य सड़क पूरी तरह पानी में डूब गई। नालों के ओवरफ्लो होने के

संक्षिप्त डायरी बहुमंजिला भवन का ऊपरी हिस्सा गिरा, दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त

एजेंसी नोएडा। बारिश के बीच गुरुवार सुबह सेक्टर-62 में आई फोर्ट इमारत का ऊपरी हिस्सा अचानक भर भरकर गिर गया। इससे नीचे खड़ी दो गाड़ियां मलबे की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। मलबा कंपनी के मुख्य गेट तक पहुंच गया और गेट की सीलिंग तक को नुकसान पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज बारिश के दौरान बिल्डिंग के ऊपर का एक बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। इस दौरान नीचे दो वाहन खड़े थे, जो मलबे से प्रभावित हो गए। गनीमत रही कि उस समय मलबा किसी व्यक्ति पर नहीं गिरा, इसलिए किसी के घायल होने या जान माल के गंभीर नुकसान की खबर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच की। इस हादसे ने बिल्डिंग के निर्माण मानकों और मेंटेनेंस पर सवाल उठा दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यह घटना दफ्तर के समय घटती तो परिणाम अधिक गंभीर हो सकते थे। फिलहाल हुए नुकसान का मूल्यांकन चल रहा है। वहीं, इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मोबाइल से वीडियो बनाने वाली महिला इस हादसे की गंभीरता के बारे में बता रही हैं। जिस तरह मलबे में वाहन दबे हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि यह किसी व्यक्ति के ऊपर मलबा गिरा होता तो उसकी जान जा सकती थी।

बिमटेक परिसर में प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान शुरू
एजेंसी नोएडा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बिमटेक ग्रेटर नोएडा ने बिसलेरी इंटरनेशनल के हबॉटल्स फॉर चेंजल्ह अभियान से जुड़कर प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की नई पहल शुरू की है। दोनों संस्थाओं के बीच लेटर ऑफ एसोसिएशन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत परिसर में प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक निस्सारण, पुनर्चक्रण और जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बिमटेक की निदेशक डॉ. प्रवीणा राजिव ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य छात्रों और कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण तथा स्थिरता की संस्कृति विकसित करना है।

डिलीवरी ब्वाँय की बाइक लेकर बदमाश फरार

एजेंसी नोएडा। एलजी गोल चक्कर के समीप सड़क किनारे खड़ी एक डिलीवरी ब्वाँय की बाइक तीन बदमाश लेकर भाग गए। पीड़ित का कहना है कि बाइक में उसका पर्स और मोबाइल भी रखा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मूलरूप से बदार्थ का रहने वाला डिलीवरी ब्वाँय मोहर सिंह ग्रेटर नोएडा के रायपुर बांगर गांव में किराए के मकान में रहता है। मोहर सिंह ने पुलिस को बताया कि 30 जून को वह नॉलेज पार्क क्षेत्र में ऑर्डर देकर वापस लौट रहा था। जब वह एलजी गोल चक्कर के समीप पहुंचा तो रात के करीब 11:00 बजे वह अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर पेशाब करने चला गया। इसी बीच तीन बदमाश वहां पहुंचे और उसकी बाइक लेकर भाग गए। पीड़ित ने बताया कि बाइक में उसका मोबाइल और पर्स भी रखा था। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के बाद मुकदमा दर्ज किया है। बांटा दो कोतवाली प्रभारी का कहना है कि बाइक लेकर भागने वाले बदमाशों का पता लगाया जा रहा है। बदमाशों की पहचान कर बाइक बरामद की जाएगी।

तीन बदमाशों ने युवक से डेढ़ लाख ऑनलाइन ट्रांसफर कराए

एजेंसी नोएडा। सेक्टर-72 स्थित स्मृति पार्क के पास एक युवक से कैब में सावर तीन बदमाशों द्वारा नगदी और फोन लूटने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने सेक्टर-72 स्थित स्मृति पार्क के पास से घर जाने के लिए शेयरिंग कैब बुक की थी। इसी दौरान तीन बदमाशों ने डराकर 1.56 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और मोबाइल भी छीनकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रतापगढ़ जिले के बोझी गांव निवासी नीलेश सिंह वर्तमान में सफाबांद गांव में किराये पर रहकर एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि 20 जून को घर जाने के लिए ऑनलाइन शेयरिंग कैब बुक की थी। कैब सेक्टर-72 स्थित स्मृति पार्क के पास पहुंचनी थी। वहां पहुंचने पर कार में सवार तीन युवकों ने बातों में उलझाकर मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। आरोप है कि बदमाशों ने उन्हें धमकाते हुए मोबाइल से 1.56 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। विरोध करने पर मारपीट की और मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 57 प्रतिशत भूमि अधिग्रहीत

एजेंसी नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 74.3 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेसवे बनाने के लिए भूमि खरीद प्रक्रिया एक माह में पूरी हो जाएगी। प्राधिकरण अब तक जमीन का 57 हिस्सा खरीद चुका है। लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए यीडा क्षेत्र के 16 गांवों की करीब 740 एकड़ भूमि की खरीद जा रही है। प्रदेश सरकार ने जमीन खरीदने के लिए यीडा को 1204 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा और यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगा। लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा।

5 स्टार म्यूजिकल स्टूडियो में 11 जुलाई को सजेगी एक शाम गीतों और ठुमकों के नाम

संगीत, नृत्य और मनोरंजन से सजेगा सावन का खास सांस्कृतिक आयोजन

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी
नई दिल्ली : नई दिल्ली। सावन की फुहारों के बीच संगीत प्रेमियों के लिए 11 जुलाई 2026 (शनिवार) को राजधानी दिल्ली में एक विशेष सांस्कृतिक संस्था का आयोजन किया जा रहा है। निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित 5 स्टार म्यूजिकल स्टूडियो में दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक एक शाम गीतों और ठुमकों के नाम कार्यक्रम आयोजित होगा। इस रंगारंग आयोजन का संयोजन वरिष्ठ आयोजक, गायिका एवं किरण म्यूजिकल ग्रुप की संचालिका किरण ठाकुर द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम की थीम नैनों में बदरा छाप रखी गई है, जिसमें सावन के मौसम को समर्पित मधुर



गीत, लाइव संगीत, नृत्य और मनोरंजन की शानदार प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी अपनी गरिमायों उपस्थिति दर्ज कराएंगे। आयोजन में सतीश कुमार जी एवं अर्चना यादव जी को मुख्य अतिथि (Chief Guest) के रूप में आमंत्रित किया गया है। वहीं सुप्रसिद्ध गायक अशोक लुहेरा जी

को विशिष्ट अतिथि (VIP Guest) तथा ज्योतिर्गमय के ओ.पी. शर्मा जी को मुख्य संरक्षक (Chief Patron) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में शहर के कई गायक, कलाकार और संगीत प्रेमी भाग लेंगे। सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों को गीत-संगीत की इस संगीतमय शाम में खुलकर गाने, नृत्य करने और मनोरंजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। किरण ठाकुर ने संगीत प्रेमियों से इस आयोजन में परिवार और मित्रों के साथ शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सावन के उल्लास और भारतीय संगीत संस्कृति को समर्पित एक यादगार संगीतमय शाम होगी।

वेलकम थाना पुलिस की बड़ी सफलता, दो मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी
नई दिल्ली : उत्तर-पूर्वी दिल्ली के थाना वेलकम पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदातों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो मोबाइल स्नैचरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन तथा वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से एक आदतन अपराधी है, जो पहले भी स्नैचिंग और अन्य आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हुई मोबाइल स्नैचिंग की एक वारदात का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपियों से घटना के संबंध में महत्वपूर्ण



जानकारी मिली है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दोनों आरोपी अन्य स्नैचिंग की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं या नहीं। उनके आपराधिक रिकॉर्ड की विस्तृत जांच की जा रही है।

उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बाल सुरक्षा माह: उत्तर-पूर्वी ज़िला पुलिस ने 800 छात्राओं को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी
नई दिल्ली। बाल सुरक्षा माह के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस की डी-एडिक्शन टीम द्वारा यमुना विहार स्थित एक विद्यालय में छात्राओं के लिए पाँच दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में लगभग 800 छात्राओं ने भाग लिया और आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सीखे। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास कराया गया। साथ ही उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा, आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता बरतने के उपाय, हेलपलाइन सेवाओं के उपयोग तथा किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने बताया कि इस



पहल का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना तथा उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं से कहा कि वे किसी भी प्रकार की असुरक्षित या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी बिना झिझक अपने अभिभावकों, शिक्षकों या पुलिस को दें। विद्यालय प्रशासन ने इस

प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता एवं आत्मरक्षा कार्यक्रम छात्राओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुलिस ने भविष्य में भी बाल सुरक्षा और महिला सुरक्षा को लेकर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित करने की बात कही।

श्रीराम कॉलोनी वार्ड 246 राजीव नगर में चला मेगा सफाई अभियान, नालों की कराई गई व्यापक सफाई



स्वदेश प्रेम शान मोहम्मद सिद्दीकी-नई दिल्ली : उत्तर-पूर्वी दिल्ली के श्रीराम कॉलोनी वार्ड-246 स्थित राजीव नगर में शनिवार को मेगा सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सी-न्यूकॉ, 20 फुट रोड पर स्थित नालों की ट्रेक्टर एवं सफाई टीम की मदद से व्यापक सफाई कराई गई, जिससे क्षेत्र में जमा गंद और कचरे को हटाया गया। वार्ड के निगम पार्श्व आमिल मलिक ने बताया कि क्षेत्र को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

नालों की नियमित सफाई से जलभराव की समस्या पर भी नियंत्रण मिलेगा और स्थानीय निवासियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें, ताकि स्वच्छ और सुंदर वार्ड के लक्ष्य को मिलकर पूरा किया जा सके। स्थानीय लोगों ने सफाई अभियान की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सफाई कार्य जारी रहेगा।

ग्रेटर नोएडा में 15 दिन पहले खुला फ्लाईओवर टूटा:पहली बारिश में 100 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त, गुणवत्ता पर उठे सवाल

एजेंसी नोएडा। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर रोड पर पैरामाउंट सोसायटी के पास बना एक फ्लाईओवर अपनी पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। 22 जून को लोगों की सुविधा के लिए खोला गया यह फ्लाईओवर मात्र 15 दिन में ही क्षतिग्रस्त हो गया। लगभग 100 मीटर लंबे हिस्से की सड़क टूट गई, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) फ्लाईओवर कई जांचों के बाद आवागमन के लिए खोला गया था। इसके खुलने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गाजियाबाद और दिल्ली जाने वाले



लोगों को काफी सहूलियत मिल रही थी और उन्हें जाम की समस्या से भी निजात मिली थी। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर रोड पर पैरामाउंट सोसायटी के पास बना एक फ्लाईओवर अपनी पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर रोड पर

बारिश के दौरान ही फ्लाईओवर की लगभग 100 मीटर सड़क टूट गई। कई जगहों पर गड्ढे हो गए और कंक्रीट उखड़ गई। इस नए बने फ्लाईओवर के इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त होने पर स्थानीय लोगों ने निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। सड़क टूटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए डीएफसीसीआईएल ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। गुरुवार को घटनास्थल पर बैरिकेडिंग लगाकर मरम्मत कार्य शुरू किया गया। डीएफसीसीआईएल का दावा है कि एक से दो दिन में सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी।

पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस की बड़ी सफलता, ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार; तीन चोरी के वाहन और अवैध चाकू बरामद



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली : पूर्वी जिला पुलिस के थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया की टीम ने वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शांतिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक अवैध बटनदार चाकू तथा तीन चोरी के वाहन (दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी) बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई से वाहन चोरी के तीन मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई 2026 को एफफॉन्स रोड, गाजीपुर गांव के पास गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल स्टार्ट करने का प्रयास करते देखा। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान सोनू अंसारी उर्फ मोहसिन (30 वर्ष) निवासी बुद्ध विहार, वैशाली, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध बटनदार चाकू बरामद हुआ, जिसके संबंध में थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान बरामद टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया क्षेत्र से चोरी की पाई गई। आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने थाना मधु विहार क्षेत्र से चोरी हुई एक हीरो स्पेंडर मोटरसाइकिल तथा थाना कल्याणपुरी क्षेत्र से चोरी हुई एक स्कूटी भी बरामद कर ली। आरोपी ने पूछताछ में कई वाहन चोरी की वारदातों में अपनी सलिपता स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी सातवीं कक्षा तक पढ़ा है और पहले ऑटो-रिक्शा चालक के रूप में कार्य करता था। उसके खिलाफ गाजियाबाद के इंदिरापुरम और साहिबबाद थानों में भी चोरी एवं आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। पूर्वी जिला पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों, चोरी के वाहनों के नेटवर्क तथा अन्य वारदातों में उसकी संभावित सलिपता की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वाहन चोरी और सड़क अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए क्षेत्र में लगातार सघन गश्त और निगरानी अभियान जारी रहेगा।

वेस्ट संत नगर में कथित अवैध जुआ-सट्टा संचालन के आरोप, स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई



स्वदेश प्रेम / शंकर दयाल-नई दिल्ली। उत्तर दिल्ली के थाना वजीराबाद क्षेत्र के अंतर्गत वेस्ट संत नगर स्थित 25 फुट रोड, सोम बाजार, पैराडाइज पब्लिक स्कूल के पास कथित रूप से अवैध जुआ, सट्टा एवं तितली-कबूतर जैसे खेल संचालित होने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह गतिविधियां लंबे समय से चल रही हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि लक्ष्मण नामक व्यक्ति समेत कुछ अन्य लोग इस कथित अवैध कारोबार में शामिल हैं। इसके साथ ही, कुछ लोगों ने स्थानीय बीट अफसर नेकी राम और थाना वजीराबाद के एसएचओ प्रशांत आनंद की कथित भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो संबंधित सभी व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में पहले भी शिकायतें और समाचार प्रकाशित किए जा चुके हैं। उनका आरोप है कि इसके बावजूद यदि कथित अवैध गतिविधियां जारी हैं, तो पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इस संबंध में संबंधित पुलिस अधिकारियों की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई थी। यदि पुलिस प्रशासन या संबंधित पक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करता है, तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

द्वारका पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 800 किलोमीटर पीछा कर अशोक प्रधान गैंग के सक्रिय सदस्य सहित चार दबोचे

गैंगवार की बड़ी साजिश नाकाम, अपहरण में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद; चाकूबाजी, अपहरण और हत्या के प्रयास के तीन मामलों का खुलासा

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की द्वारका जिला पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अशोक प्रधान गैंग के सक्रिय सदस्य एवं थाना नजफगढ़ का हिस्ट्रीशीटर/बैड कैरेक्टर (बीसी) मोहित भारद्वाज उर्फ मोनू समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार करीब 800 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय पीछा कार्रवाई के बाद आरोपियों को उत्तर प्रदेश के आगरा से दबोचा गया। इस कार्रवाई से नजफगढ़ क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संभावित गैंगवार को टालने में सफलता मिली है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ चाकूबाजी, अपहरण और हत्या के प्रयास से जुड़े तीन अलग-अलग मामलों में तलाश की जा रही थी। वारदातों के बाद सभी आरोपी दिल्ली छोड़कर हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लगातार ठिकाने बदल रहे थे ताकि गिरफ्तारी से बच सकें।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) कुशल पाल सिंह, आईपीएस एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विकास मोणा, आईपीएस के निर्देशन में एंटी ऑटो थैफ्ट स्क्वाड (AATS) ने तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर लगातार



अभियान चलाया। आखिरकार टीम ने

आगरा में छापेमारी कर मोहित भारद्वाज उर्फ मोनू तथा उसके तीन किशोर साथियों को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 15 जून 2026 के अपहरण कांड में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से नजफगढ़ क्षेत्र में दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच बढ़ते तनाव और संभावित हिंसक वारदातों को समय रहते रोकने में सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी मोहित भारद्वाज उर्फ मोनू (29) नजफगढ़ थाना का घोषित हिस्ट्रीशीटर और बैड कैरेक्टर है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वह अशोक प्रधान गैंग

का सक्रिय सदस्य है तथा उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट, सशस्त्र लूट, हत्या के प्रयास और हत्या जैसे गंभीर मामलों में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में तीन किशोर विधि-विरोधी बच्चों (JCL) को भी विधिक प्रक्रिया के तहत पकड़ा गया है। उनसे पूछताछ जारी है और गिरोह की अन्य गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। द्वारका पुलिस का कहना है कि संगठित अपराध और गैंगवार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे अपराधियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी एमसीडी रिमूवल ऑर्डर बनाकर एछड़ वाहन चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली: सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की थाना पहाड़गंज पुलिस ने फर्जी एमसीडी रिमूवल ऑर्डर के जरिए एंड-ऑफ-लाइफ (ELV) वाहनों की चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदापर्श कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अदनान सैफी (24) और अकरम (43) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक स्कूटी, चोरी किए गए वाहनों के अलग-अलग पुर्जे, पांच फर्जी रिमूवल ऑर्डर तथा फर्जी रिमूवल ऑर्डर की एक खाली बुकलेट बरामद की है। इस कार्रवाई से पहाड़गंज थाना क्षेत्र के तीन वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार 20 जून 2026 को पहाड़गंज के संगतराशन चौकी क्षेत्र से 15 वर्ष पुरानी एक स्कूटी चोरी होने की शिकायत मिली थी। घटनास्थल पर एमसीडी, करोल बाग जोन के नाम से जारी कथित रिमूवल ऑर्डर चप्पा मिला था। जांच में एमसीडी ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई अधिकृत रिमूवल नहीं किया गया था और प्रस्तुत दस्तावेज फर्जी था। इसके बाद थाना पहाड़गंज में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305(बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें दो व्यक्ति चोरी की स्कूटी ले



जाते दिखाई दिए। तकनीकी जांच और एमसीडी अधिकारियों तथा अधिकृत ELV एजेंसी गो ग्रीन ELV हेंडलर्स से पूछताछ के बाद एक संदिग्ध की पहचान एजेंसी के पूर्व कर्मचारी अदनान सैफी के रूप में हुई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 3 जुलाई को रोहिणी क्षेत्र से अदनान को चोरी की स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में अदनान ने खुलासा किया कि वह पहले अधिकृत ELV एजेंसी में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी था। नौकरी छोड़ने के बाद उसने एछड़ हटाने की प्रक्रिया की जानकारी का दुरुपयोग करते हुए खुद को एमसीडी अधिकारी बताकर

फर्जी रिमूवल ऑर्डर तैयार किए और दिल्ली के विभिन्न इलाकों से एंड-ऑफ-लाइफ दोपहिया वाहनों की चोरी शुरू कर दी। उसने यह भी स्वीकार किया कि वह दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से 14 अन्य ELV वाहनों की चोरी में भी शामिल रहा है, जिसकी जांच जारी है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मयापुरी और उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में छापेमारी की। इसके बाद कबाड़ी अकरम को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से चोरी किए गए वाहनों के कटे हुए पुर्जे, नंबर प्लेटें, पांच फर्जी रिमूवल ऑर्डर और एक खाली फर्जी ऑर्डर बुकलेट बरामद हुईं। जांच में सामने आया कि अकरम चोरी के वाहनों को तुरंत काटकर कबाड़ में बदल देता था और संदिह से बचने के लिए फर्जी दस्तावेज अपने पास रखता था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार दोनों आरोपियों की भूमिका के अलावा इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने और सरकारी अधिकारी का प्रतिरूपण करने से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इस कार्रवाई से थाना पहाड़गंज और प्रेम नगर के तीन वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश और चोरी किए गए अतिरिक्त वाहनों के सत्यापन की कार्रवाई जारी है।

दिल्ली से बाहर घोषित कुख्यात झपटमार शाहरुख गिरफ्तार, पांच चोरी के मोबाइल बरामद

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के थाना आईपी एस्टेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना शास्त्री पार्क का सक्रिय बैड कैरेक्टर (BC) और हद्दिल्ली-आउटलैंड घोषित कुख्यात झपटमार शाहरुख (26) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी एवं लूट के पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध झपटमारी, लूट, चोरी तथा चोरी का सामान रखने सहित लगभग 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 27 जून 2026 को आईटीओ फ्लाईओवर के पास एक रैपिडो बाइक सवार से मोबाइल झपटने की सूचना मिलने पर थाना आईपी एस्टेट में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि करीब एक घंटे के भीतर आईटीओझआईपी एस्टेट क्षेत्र में मोबाइल स्नैचिंग की चार वारदातों को अंजाम दिया गया था, जिससे यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने 750 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज



का विश्लेषण किया, तकनीकी निगरानी की और गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया। इससे पहले इस मामले में आरोपी आसिफ और तारिक उर्फ दानिश को गिरफ्तार किया जा चुका था तथा जांच के दौरान भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 112 (संगठित अपराध) भी जोड़ी गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गिरोह का सक्रिय सदस्य शाहरुख तीस हजारी कोर्ट के बाहर आने वाला है। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसके घर की तलाशी में पांच चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनका संबंध दिल्ली और एमसीआर के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी एवं झपटमारी के मामलों से

पाया गया।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली के व्यस्त मार्गों, फ्लाईओवर और प्रमुख चौराहों पर मोटरसाइकिल से चलने वाले लोगों, दोपहिया वाहन चालकों तथा ऐप-आधारित टैक्सी सेवाओं में सफर कर रहे यात्रियों को निशाना बनाता था। वारदात के बाद चोरी के मोबाइल रिसीवरों को बेच दिए जाते थे या सुरक्षित स्थानों पर छिपाकर रखे जाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी को उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस द्वारा पहले ही हद्दिल्ली-आउटलैंड घोषित किया जा चुका है। वह कई बार तिहाड़ और मंडोली जेल भी जा चुका है तथा उसके विरुद्ध दिल्ली के विभिन्न थानों में करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई से दिल्ली और एमसीआर में हुई कई मोबाइल स्नैचिंग और चोरी की वारदातों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों, रिसीवरों और चोरी की शेष संपत्ति की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले की आगे की जांच जारी है।

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस के मध्य जिला के थाना पहाड़गंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक से नकदी निकालकर लौट रहे व्यक्ति से हुई लूट की वारदात का महज छह घंटे के भीतर खुलासा कर अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई पूरी ₹50,000 की नकदी तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई 2026 को एक व्यक्ति ने थाना पहाड़गंज में शिकायत दर्ज कराई कि वह झंडेवाला स्थित बैंक शाखा से ₹1,00,000 निकालकर घर लौट रहा था। अनारकली बाजार एक्सटेंशन के पास मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उसे रोककर ₹50,000 लूट लिए और फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना पहाड़गंज में एफआईआर संख्या 318/2026, धारा 309(4)/3(5) भारतीय न्याय संहिता (इट्टर) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसएचओ पहाड़गंज के नेतृत्व तथा एसपी पहाड़गंज के पर्यवेक्षण में गठित विशेष पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया, तकनीकी साक्ष्यों की जांच की तथा स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें एका होटल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूरी कार्रवाई महज छह घंटे के भीतर पूरी कर ली गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मारुफ (54) तथा तंजील अहमद (59) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के संभल और मुगदाबाद के निवासी हैं।



पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे एक अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य हैं, जो बैंकों के बाहर नकदी निकालने वाले लोगों पर नजर रखते थे। इसके बाद सुनसान स्थान पर उनका पीछा कर लूट की वारदात को अंजाम देकर मोटरसाइकिल से फरार हो जाते थे। पुलिस आरोपियों की सलिपता दिल्ली और पड़ोसी राज्यों की अन्य वारदातों में भी खंगाल रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि चारों आरोपियों के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, चोरी, लूट और अन्य आपराधिक मामलों के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई पूरी ₹50,000 की राशि तथा वारदात में प्रयुक्त हीरो स्पेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। इस सफल कार्रवाई में एसएसआई इंदरपाल, एसएसआई राकेश, हेड कांस्टेबल जगवीर, नरेंद्र पूनिया, राजीव, महिला कांस्टेबल खुशबू, कांस्टेबल पुनीत, दीपक, दिलराज तथा ललित सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मामले की आगे की जांच जारी है।

अंतरराज्यीय बाल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 10 और आरोपी गिरफ्तार, 4 मासूम बच्चों को सकुशल कराया गया मुक्त

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने अंतरराज्यीय बाल तस्करी गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जैविक माता-पिता, कथित दलाल, खरीदार, बिचौलिए तथा एक अस्पताल संचालक भी शामिल हैं। इस कार्रवाई के दौरान दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों से चार और बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया गया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल नौ बच्चों का रेस्क्यू किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार इस मामले की शुरुआत 5 जून 2026 को हुई, जब एंटी नार्कोटिक्स सेल, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने गुप्त सूचना के आधार पर पहाड़गंज स्थित आर. के. आश्रम मेट्रो स्टेशन के पास डिस्कॉय ऑपरेशन चलाकर तीन आरोपियों-न्याति उर्फ कमलेश, शालू और ललित-को एक नवजात शिशु को कथित रूप से बेचने का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया था। मौके से चार-पांच दिन के नवजात शिशु को सुरक्षित बचाया गया तथा 20 हजार रुपये की टोकन राशि भी बरामद की गई थी। इस संबंध में



थाना पहाड़गंज में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विशेष जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-2 के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIAT) का गठन किया गया। तकनीकी



जांच, बैंक खातों के विश्लेषण, मानव खुफिया तंत्र और लगातार पूछताछ के आधार पर पुलिस ने गिरोह के नेटवर्क का खुलासा करते हुए 10 और आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि गिरोह विभिन्न राज्यों से नवजात और छोटे बच्चों को उनके जैविक माता-पिता से



धन के बदले लेकर निःसंतान दंपतियों को लाखों रुपये में बेचता था। पुलिस ने जांच के दौरान गुजरात और दिल्ली से कुछ जैविक माता-पिता की पहचान भी की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुछ मामलों में आर्थिक तंगी अथवा अन्य कारणों से बच्चों को गिरोह के माध्यम से सौंपा गया, जिन्हें

बाद में अधिक रकम लेकर अन्य दंपतियों को बेच दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अब तक की जांच में इस मामले में आईवीएफ (IVF) या सरोशरी से जुड़ा कोई पहलू सामने नहीं आया है। जांच के दौरान दिल्ली के रोहिणी, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार तथा उत्तर प्रदेश के मथुरा से चार और बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। सभी नौ बच्चों को बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष प्रस्तुत कर उनकी सुरक्षा, देखभाल और पुनर्वास के लिए आवश्यक निर्देश प्राप्त किए गए हैं। पुलिस सामने आए हैं। बैंक खातों के माध्यम से हुए वित्तीय लेनदेन की जांच कर मनी ट्रेल स्थापित की जा रही है। इसके साथ ही अस्पताल से संबंधित दस्तावेज और जन्म रिकॉर्ड की भी गहन जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस अंतरराज्यीय बाल तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। साथ ही, इस नेटवर्क से जुड़े अन्य बच्चों की तलाश, अतिरिक्त साक्ष्य जुटाने तथा मामले के सभी पहलुओं की जांच निरंतर जारी है।

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना की 9वीं किस्त जारी



हरियाणा(एजेंसी)। सीएम नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए राज्य के लाखों लाभार्थियों को बड़ी सौगात दी। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आज विभिन्न 19 योजनाओं के तहत 50 लाख 20 हजार 460 पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में

कुल 1582 करोड़ 16 लाख रुपए सीधे ट्रांसफर किए हैं। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे राशि भेजना सरकार की पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सीएम ने कहा कि आज 15 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 34

लाख 83 हजार लाभार्थियों के बैंक खातों में 1121 करोड़ 39 लाख रुपए की राशि सीधे भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सीएम ने कार्यक्रम के दौरान दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की 9वीं किस्त भी जारी की। इसके तहत 9 लाख 98 हजार बहनों और बेटियों के बैंक खातों में 209 करोड़ 69 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए। सीएम ने बताया कि योजना की शुरूआत से अब तक 9 किस्तों में कुल 1832 करोड़ 69 लाख रुपए लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं। दयालु योजना के तहत 3295 परिवारों को मिली मदद

सीएम ने बताया कि दयालु योजना के तहत आज 3295 परिवारों को 125 करोड़ 11 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही इस योजना के तहत अब तक 77 हजार 330 परिवारों को 2918 करोड़ 42 लाख रुपए की सहायता जारी की जा चुकी है। सीएम ने बताया कि गैस सिलेंडर रिफिल कराने वाली 5 लाख 16 हजार महिलाओं के बैंक खातों में मई माह की 18 करोड़ 97 लाख रुपए की सब्सिडी भी जारी की गई है। अब तक 14 लाख 43 हजार पात्र महिलाओं को इस योजना के तहत 320 करोड़ 97 लाख रुपए की सब्सिडी सीधे खातों में भेजी जा चुकी है। PM आवास योजना ग्रामीण के तहत 107 करोड़ जारी



सीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 20 हजार 165 पात्र लाभार्थियों के मकान निर्माण के लिए 107 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 827 करोड़ 22 लाख रुपए की वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जा चुकी है। सीएम के अनुसार, प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत अब तक 76 हजार 466 मकानों को स्वीकृति

दी जा चुकी है। इनमें से 41 हजार 260 मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 35 हजार 206 मकानों का निर्माण कार्य जारी है। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था के जरिए पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बिचौलिए के पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि DBT प्रणाली ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर रोक लगाने के साथ-साथ लोगों का सरकार पर भरोसा भी मजबूत किया है।

दतिया उपचुनाव: भाजपा प्रत्याशी आशीष तोषण सिंह को दी जीत की अग्रिम शुभकामनाएं



स्वदेश प्रेम / सलमान अली भोपाल (मध्य प्रदेश) भोपाल स्थित निवास पर भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल की उपस्थिति में दतिया विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा प्रत्याशी घोषित किए गए आशीष तोषण सिंह को बधाई एवं विजयश्री के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी संगठन और कार्यकर्ताओं के

सामूहिक प्रयासों से दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही संगठन की मजबूती और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन तथा भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी को शुभकामनाएं देते हुए उपचुनाव में जीत के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

शराब के नशे में युवती ने पुलिसकर्मी को धक्का मारा



रेवाड़ी (एजेंसी)। शराब के नशे में एक युवती ने 5 घंटे तक जबरदस्त हंगामा किया। अपने दोस्तों के साथ एक पेट्रोल पंप पर जाकर जबरन कैशियर की वीडियो बनाने लगी। जब पंप संचालक ने इसका विरोध किया तो उसे गालियां देनी शुरू कर दी। हंगामा बढ़ता देख पंप संचालक ने पुलिस बुला ली। युवती ने पुलिसकर्मीयों से भी अप्रदत्ता की। पुलिसकर्मी जैसे ही युवती को समझाने की कोशिश करने लगे, युवती सड़क पर लेट गई। आसपास के लोग बहन उठ जा कहकर बुलाते रहे इसके बाद पुलिस युवती का मेडिकल कराने के लिए अस्पताल ले गई। वहीं भी युवती ने परिजनों और डॉक्टरों को गालियां दीं। हंगामा बढ़ता देख परिजन बड़ी मुश्किल से समझाकर उसे अपने साथ ले गए रेवाड़ी के गुरुवार शाम करीब 6 बजे सर्नासिटी एरिया की रहने वाली एक युवती अपने 3 दोस्तों के साथ झंझर चौक के पेट्रोल पंप पर पहुंची। यहां आते ही युवती ने कैशियर की वीडियो बनानी शुरू कर दी। जब कैशियर ने वीडियो बनाने से रोका तो युवती हंगामा करने लगी। पंप संचालक राजू ने बताया कि युवती शराब के नशे में थी। उसने जैसे ही हंगामा शुरू किया उसके तीनों दोस्त

यहां से भाग गए। उसे समझाने की कोशिश की गई तो युवती गालियां देने लगी। इसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी। राजू के अनुसार, पुलिस कुछ ही देर बाद मौके पर पहुंच गई। पुलिस के सामने भी युवती आसपास खड़े लोगों को गालियां देने लगी। पुलिसकर्मीयों के साथ भी बदतमीजी करने लगी। थाने पहुंचने के बाद युवती के परिजनों को भी बुलाया गया। पुलिस जैसे ही युवती को थाने ले गई, युवती उनके साथ भी बदतमीजी करने लगी। इसके बाद परिजन भी वहां पहुंच गए। युवती ने परिजनों के सामने भी हंगामा जारी रखा। इसके बाद पुलिस टीम युवती को मेडिकल कराने के लिए अस्पताल लेकर पहुंची। युवती ने मेडिकल स्टाफ के साथ भी खूब हंगामा किया। डॉक्टरों ने रोकने की कोशिश की तो उन्हें गालियां देने लगीं। डॉक्टरों ने युवती पर केस दर्ज करने की मांग की। सिटी थाना SHO सुबे सिंह ने बताया कि युवती का हंगामा रात करीब 11 बजे तक जारी रहा। थाने पहुंचने के बाद उसने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना के बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर समझाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी हंगामा किया। अस्पताल से परिजन उसे अपने साथ ले गए।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को जनआंदोलन बनाने पर जोर

स्वदेश प्रेम / सलमान अली भोपाल (मध्य प्रदेश) : मध्य प्रदेश को नशामुक्त बनाने के संकल्प को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री केशव मकवाना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जौन, रेंज एवं जिला पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने ह्वनशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीजीपी ने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान को केवल पुलिस तक सीमित न रखकर



समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से जनआंदोलन बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता कार्यक्रमों को भी

व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए, ताकि युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से लोगों

को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और सेवन में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों से अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने, स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता बढ़ाने तथा नशामुक्त मध्य प्रदेश के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता और समाज के सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने का संकल्प निश्चित रूप से साकार होगा।

धार में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

संगठनात्मक मजबूती, मुद्दा आधारित राजनीति और डिजिटल कम्युनिकेशन पर हुआ मंथन

स्वदेश प्रेम / सलमान अली धार (मध्य प्रदेश) : मध्य प्रदेश कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत धार जिले के नगर, मंडलम एवं ब्लॉक अध्यक्षों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का दूसरे दिन विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण एवं संवाद सत्र आयोजित किए गए। शिविर में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, मुद्दा आधारित राजनीति, मतदाता सूची पुनरीक्षण और डिजिटल कम्युनिकेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने



संगठन की मजबूती और जनसंपर्क रखे। वहीं प्रदेश सह प्रभारी उषा नायडू ने प्रशिक्षण शिविरों के महत्व और संगठनात्मक विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। विधायक प्रताप गेवाल ने युवाओं की राजनीति में भागीदारी और नेतृत्व

की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। वहीं प्रदेश सह प्रभारी उषा नायडू ने प्रशिक्षण शिविरों के महत्व और संगठनात्मक विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। विधायक प्रताप गेवाल ने युवाओं की राजनीति में भागीदारी और नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। वहीं प्रदेश सह प्रभारी उषा नायडू ने प्रशिक्षण शिविरों के महत्व और संगठनात्मक विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। विधायक प्रताप गेवाल ने युवाओं की राजनीति में भागीदारी और नेतृत्व

क्षमता विकसित करने पर बल दिया। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रभारी ललित सेन ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर आवश्यक तैयारियों एवं रणनीति की जानकारी दी। सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अविरल हरि जैन ने डिजिटल कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और संगठन की ऑनलाइन उपस्थिति को मजबूत बनाने के संबंध में कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, जिला प्रभारी उषा परमार सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण शिविर में संगठन को अधिक प्रभावी, सक्रिय और जनसंपर्क आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

चंडीगढ़ प्रशासक बोल अफसर झूठ-गप्पें मारना बंद करें

2 करोड़ पौधे लगाते तो 1 इंच जमीन खाली न होती; पहाड़ नंगे, कलेक्टर सम्मान ले आए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुक्रवार को वन महोत्सव समारोह में प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने अफसरों पर जमकर तंज कसे। प्रशासक कटारिया ने कहा- हर साल हमारा विभाग कहता है कि हमने वन महोत्सव में इतने पौधे दिए हुए, एक लाख, दो करोड़। अगर उन सबका कुल हिसाब करें तो जमीन का एक इंच भी खाली नहीं रहेगा। कटारिया ने दोटूक कहा कि गप्पें और झूठ बंद करो, बढ़ा-चढ़ाकर बोलना हमारी आदत बन गई है। दिल्ली में हम सम्मानित हो गए और पहाड़ नंगे का नंगा ही है। कटारिया जब ये बातें कर रहे थे तो चंडीगढ़ के अफसरों के चेहरे पर शर्मिंदगी साफ झलक रही थी। सरकारी दावे जोड़ लू तो एक इंच जमीन खाली नहीं मिलेगी: प्रशासक कटारिया ने सरकारी दावों पर खुलकर सवाल उठाए। पौधारोपण के आंकड़ों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा- अगर हर



साल लगाए गए पौधों के सरकारी दावों को जोड़ लिया जाए तो शहर में एक इंच जमीन भी खाली नहीं बचेगी। झूठ बोलने की आदत पर की खिंचाई: कटारिया ने बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने और झूठ बोलने की आदत पर अधिकारियों की खिंचाई की और उन्हें आत्ममंथन करने की नसीहत दी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयासों का ही नतीजा है कि चंडीगढ़ का ग्रीन कवरेज बढ़कर 51.6 फीसदी पहुंच गया है, जो देश में सबसे

अधिक है। 3 साल से पहाड़ खाली, कलेक्टर सम्मानित होकर आ गए: चंडीगढ़ के प्रशासक ने कहा कि केवल पौधे लगाने के दावे करने से काम नहीं चलेगा प्रशासक ने बताया कि पहले भी कई अभियान चलाए गए और कलेक्टर साहब दिल्ली में सम्मानित हुए। लेकिन तीन साल पहाड़ी खाली का खाली। प्रशासक ने कहा कि अगर पेड़ नहीं होंगे तो पानी नहीं होगा और पानी नहीं होगा तो खाने के लिए अनाज भी नहीं मिलेगा। चंडीगढ़ में 50 साल पुराने पेड़, इन्हें बचाना जरूरी: उन्होंने कहा कि इस लिहाज से चंडीगढ़ भाग्यशाली शहर है, जहां आज भी 50-50 साल पुराने बरगद के पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों को हर हाल में बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण लगातार बिगड़ रहा है। इसका सबसे बड़ा उपाहार अमरनाथ गुफा का शिवलिंग है,



जो बर्फ से बनता है। पहले श्रद्धालु पैदल चलकर दर्शन करते थे, लेकिन इस बार तीन दिन में ही करीब सात फुट ऊंचा शिवलिंग घिसल गया। अधिकारियों ने बताया कि चंडीगढ़ में किसी को भी मुफ्त में पौधे नहीं दिए जाते, क्योंकि मुफ्त में मिली चीज की कद्र नहीं होती। इसलिए प्रत्येक पौधे की

कीमत पांच से दस रुपए तय किए हैं। पिछले साल साढ़े पांच लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जबकि साढ़े छह लाख पौधे लगाए गए। उन्होंने बताया कि पिछले साल एक एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया गया था। शहर का ट्रै मैप बनाया गया। उसी आधार पर कमेटी की सिफारिश पर यह तय

किया जा रहा है कि चंडीगढ़ के किस क्षेत्र में किस प्रजाति के पौधे लगाए जाएं, ताकि शहर की जरूरत के मुताबिक हरियाली विकसित की जा सके। डंपिंग ग्राउंड में इस तरह की सुविधाएं होगी कमिश्नर कुमार ने बताया कि डड्डामाजरा डंपिंग ग्राउंड को नए तरीके से विकसित किया जाएगा। इस स्थल पर माली तैनात किए जाएंगे, जो एक-एक पौधे की देखभाल करेंगे। यहां ट्रीटेड पानी की व्यवस्था भी कर दी गई है। भविष्य में यहां जॉइंटिंग ट्रेक, जिम, प्ले एरिया और वॉकिंग ट्रेक का निर्माण किया जाएगा। इस क्षेत्र में बांस, बेंजामिन, पीपल, कपूर, पिलखन और फलदार प्रजातियों के करीब 10 हजार पौधे लगाए गए हैं। साथ ही 14 एकड़ क्षेत्र को मियावाकी फरिस्ट के रूप में विकसित किया जाएगा।

यमुनानगर का किसान-बैंक लोन विवाद



यमुनानगर (एजेंसी)। विश्वकर्मा चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक के बाहर 77 वर्षीय किसान मोहन सिंह के होम लोन मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन का धरनाआज शुक्रवार को भी जारी है। इस बीच किसान यूनियन का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल करनाल में बैंक के सकंल अधिकारियों से वार्ता के लिए रवाना हुआ, जबकि यमुनानगर में अन्य किसान बैंक के मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठे रहे। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने बताया कि बैंक अधिकारियों ने किसान यूनियन को करनाल स्थित सकंल हेड कार्यालय में बातचीत के लिए बुलाया है। प्रतिनिधिमंडल वार्ता में किसान मोहन सिंह के होम लोन का मानवीय आधार पर समाधान निकालने की मांग रखेगा। उन्होंने कहा कि यदि बातचीत में कोई सकारात्मक फैसला निकलता है तो आंदोलन उसी के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा, लेकिन यदि वार्ता बेनतीजा रहती है तो किसान आंदोलन को और तेज करेंगे। सुभाष गुर्जर ने कहा कि 13 जुलाई सोमवार से पंजाब नेशनल बैंक के बाहर बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। जैसे ही बैंक खुलेगा, किसान बैंक का शटर बंद कर उस पर ताला लगा देंगे और बैंक का कामकाज नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि बैंक के बाहर ही किसानों का धरना जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को बैंक के बाहर मंडल स्तरीय किसान महापंचायत भी आयोजित की जाएगी। इसमें अंबाला, पंचकुला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र जिलों के किसान पदाधिकारी शामिल होंगे। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष भी महापंचायत में मौजूद रहेंगे और आंदोलन की आगामी रणनीति की घोषणा करेंगे। उन्होंने बताया कि वार्ता के परिणाम आने तक धरना प्रतिदिन पहले की तरह जारी रहेगा। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किसान बैंक के बाहर डटे रहेंगे। इसके लिए किसानों की इच्छा भी लगाई गई है और प्रतिदिन 15-15 किसानों की जिम्मेदारी तय की गई है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार यदि समाधान नहीं हुआ तो बैंक का शटर बंद कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा।

आज हर वो शख्स क्रिएटर है, जिसके पास फोन है



पिछले दिनों अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नर्स की भूमिका में तारीफें बटोरने वाली कंगना इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं रिएलिटी शो 'लॉकअप' को लेकर। उनकी 'क्वीन 2' को लेकर भी खबरें हैं कि वो फिल्म पूरी हो चुकी है। अपनी भूमिकाओं में जान डाल देने वाली यह अभिनेत्री पॉलिटाइशियन के रूप में भी धाकड़ हैं। हिमाचल की रहने वाली कंगना जब छोटी उम्र में घर वालों की खिलाफत करके दिल्ली आई, तब तक उनके लिए अभिनेत्री बनने का रास्ता बहुत मुश्किल रहा। मगर पहले गैंगस्टर, फिर तनु वेडस मनु और क्वीन ने उन्हें अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर दिया। कई खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरी कंगना अपने जीवन की उपलब्धियों में कई लोगों के योगदान की बात करती हैं।

कंगना का मानना है कि अपने अकेले दम पर कोई भी इंसान कुछ हासिल नहीं कर सकता। वे कहती हैं, 'इंसान की जिंदगी में कई लोग होते हैं, जो किस्मत को संवारते हैं। माता, पिता, गुरु से शुरू होने वाला ये सिलसिला चलता जाता है। आज जो शब्दावली में बोल भी पा रही हूं, तो उसमें कई लोगों का योगदान है। जब मैं अभिनय के क्षेत्र में आई, उस वक़्त अनुराग बसु मेरे

करियर में अहम साबित हुए, जिन्होंने मुझे गैंगस्टर जैसी फिल्म दी और फिर विकास बहल जैसे फिल्मकार जिन्होंने क्वीन से मुझे सफलता दिलाई। पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री पर स्लो डाउन के बादल मंडरा रहे हैं और कहा जा रहा है कि फिल्मों का बजट, स्टार्स की फीस जैसे फैक्टर्स में यदि सुधार नहीं हुआ, तो फिल्म उद्योग खतरे में पड़ जाएगा। इस पर कंगना कहती हैं, 'फिल्म इंडस्ट्री को उठना तो पड़ेगा ही।

मुझे याद है, आज से दस साल पहले मैं और शेखर कपूर (फिल्मकार) किसी बात पर चर्चा कर रहे थे और उन्होंने मुझसे कहा, कंगना जिसके हाथ में कैमरा या मोबाइल होगा, वो एक फिल्म बनाएगा। उस वक़्त मुझे लगा था कि हर कोई डायरेक्टर नहीं बन सकता। मुझे उनकी बात जंची नहीं थी। मगर आज देखिए, आज इंटरनेट पर लोग दो-दो मिनट की फिल्म बना रहे हैं। कोई ट्रेन में चढ़ा हुआ है, तो कोई दूर -

दराज के गांव में बैठी कोई महिला दूध दुहना सिखा रही है, कोई खाना पकाना सिखा रहा है, तो कोई मेकअप टिप्स दे रहा है और आप सभी इस सिस्टम में पूरी तरह से एंगेज हो गए हैं। दूसरों की क्या कर्ह, मेरे खुद के माता-पिता आज रील्स में इतना बिजी हैं। आज रिलेटेबल रोल्स खत्म होते जा रहे हैं। पुष्पा जैसा मजदूर आपने कब देखा था? शायद अमिताभ बच्चन जी के दौर में।'

जॉन सर सही मायनों में कूल हैं

कंगना की नई फिल्म को लेकर एक दिलचस्प बात ये है कि इसका शीर्षक जॉन अब्राहम के पास रजिस्टर था, मगर उन्होंने खुशी-खुशी इसे कंगना को दे दिया। इस पर कंगना कहती हैं, 'इंसान वहीं मांगता है, जहां उसे उम्मीद होती है। जॉन सर के साथ शूटआउट एट वडाला की थी। उनके बारे में जो कहा जाता है कि वे अपने काम से काम रखते हैं और सही मायनों में कूल गाय हैं। उनके साथ एक कमाल का कॉफर्ट था। मैं इसे दोस्ती तो नहीं कहूंगी, क्योंकि दोस्ती की अलग-अलग परिभाषा होती है। जो मैंने उनका बर्ताव देखा, तो पाया कि वे अपने काम से काम रखते हैं, मगर ऐसा भी नहीं है कि दुनिया-जहान से ला-ताल्लुक हैं। अप्रोचबल हैं, रीचबल हैं, अगर हैं अपनी दुनिया में। मैंने जब भी उनके साथ काम, किया, मुझे बहुत मजा आया। हमारी इस फिल्म का नाम पहले नर्सज ऑफ कामा था, मगर शीर्षक में वो बात नहीं आ पा रही थी। तब टाइटल आया, भारत भाग्य विधाता, मगर फिर पता चला कि ये शीर्षक तो जॉन सर के पास है। जाहिर है, वो निर्माता भी हैं, तो एक निर्माता कई सालों तक पैसे जमा कर करके अपने टाइटल को सुरक्षित रखता है। मुझे लगा मैं इस शीर्षक के लिए किसी तरह से उन्हें मना ही लूंगी, मगर उसकी नौबत नहीं आई। मेरे कहने भर से उन्होंने मुझे दे दिया। उनका दिल बहुत बड़ा है।'



कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का काजल ने शेयर किया अनुभव

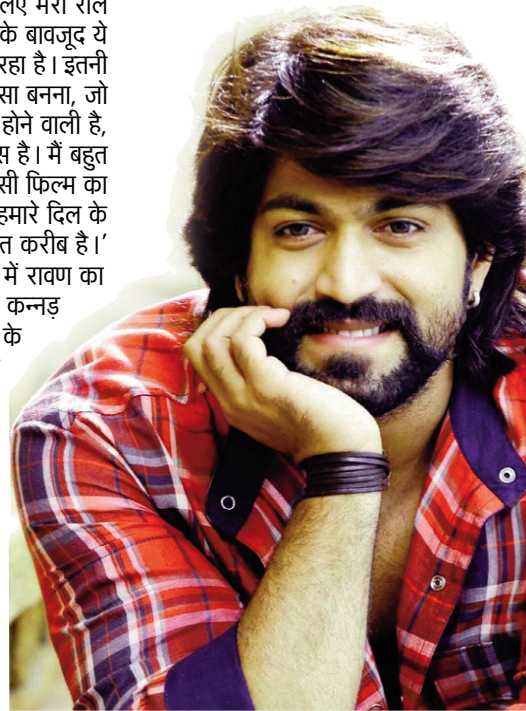
'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में दिखेंगे। जहां फैंस इस बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ देखने के लिए एक्साइटड हैं, वहीं काजल ने खुलासा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट में उनका रोल काफी छोटा है।

पहले पार्ट में लिमिटेड है काजल का रोल हाल ही में इंटरव्यू में काजल ने बताया कि पहले पार्ट में मंदोदरी का रोल ज्यादा नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि कहानी का बड़ा हिस्सा लंका से पहले का है, इसलिए उनके किरदार को शुरूआती हिस्से में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिलेगा। काजल ने कहा, 'हमने अभी सिर्फ पार्ट 1 की शूटिंग की है और जाहिर है उसमें लंका का हिस्सा कम है, और मैं मंदोदरी हूं। इसलिए मेरा रोल बहुत लिमिटेड है। इसके बावजूद ये अनुभव बहुत शानदार रहा है। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना, जो एक वर्ल्ड फिल्म होने वाली है, बहुत खास एहसास है। मैं बहुत आभारी हूँ कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूँ, जो हमारे दिल के बहुत करीब है।'

काजल ने इस फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही उनके काम की फैन रही हैं और उनके साथ काम करना शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'वो बहुत अच्छे एक्टर

हैं। मैं हमेशा से उनके काम को पसंद करती आई हूँ और इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। वो इस फिल्म को लेकर बहुत इन्वोल्व्ड हैं। वो बेहद प्रोफेशनल हैं और निश्चित तौर पर बहुत टैलेंटेड हैं।'

निवेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। अब तक मेकर्स ने फिल्म की सिर्फ एक झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आए। साथ ही रवि दुबे (लक्ष्मण), साई पल्लवी (सीता) और अयोध्या की भव्य दुनिया की झलक भी देखने को मिली।

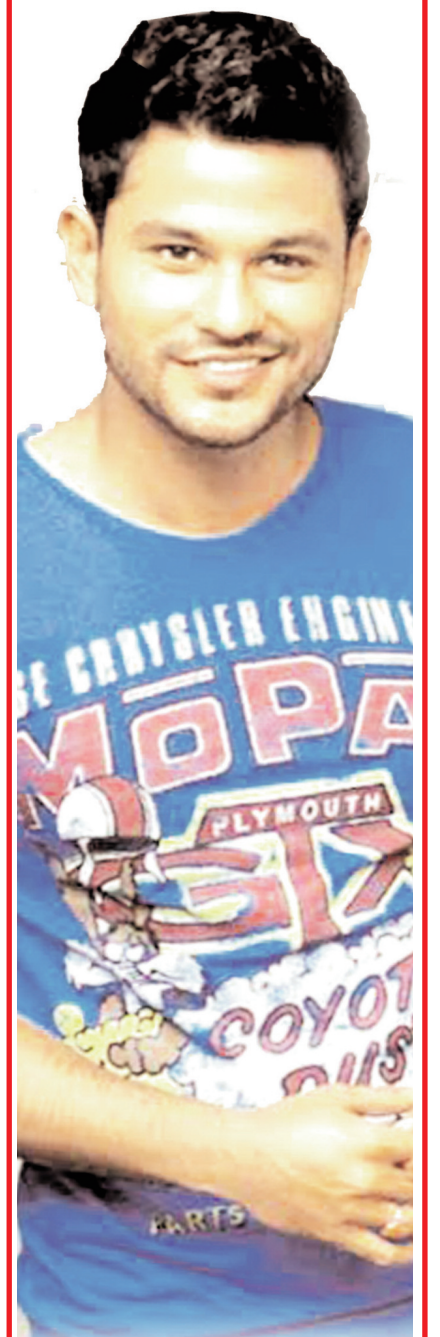


मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी नहीं होगी 'हैवान'

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है। एक खबर के



अनुसार, सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है। आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। लेकिन फिल्महाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा। 'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे।



मैंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया

अभिनेता और फिल्ममेकर कुणाल खेमु इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'अलायंस' को लेकर चर्चा में हैं। कुणाल ने हाल ही में उस सवाल का जवाब दिया, जो अक्सर उनसे पूछा जाता है। भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक का हिस्सा बनने के बाद क्या उन्हें कभी किसी तरह का दबाव या उम्मीदों का बोझ महसूस हुआ? इस पर कुणाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया। बातचीत में सवाल का जवाब देते हुए कुणाल ने कहा, 'नहीं, मेरे लिए मेरी कला और मेरे भीतर का कलाकार सबसे ज्यादा मायने रखता है। यही मेरे लिए सबसे अहम है। सच कहूँ तो मैंने कभी इस नजरिए से सोचा ही नहीं कि मैं शर्मिला टैगोर का दामाद हूँ।' अगर मैं यह कहूँ कि मैं इस बारे में सोचता हूँ या इससे बचने की कोशिश करता हूँ, तो यह झूठ होगा। यह बात मेरे दिमाग में रहती ही नहीं है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'मेरी एक्टिंग जर्नी हमेशा एक्टिंग और फिल्ममेकिंग के प्रति मेरे पैशन से प्रेरित रही है। मैंने कभी इस बात को महत्व नहीं दिया कि मैं किस परिवार का हिस्सा हूँ। किसी कलाकार की असली पहचान उसके काम से बनती है, न कि उसके पारिवारिक रिश्तों से।' बता दें कि कुणाल खेमु ने अभिनेत्री सोहा अली खान से 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। सोहा अली खान, दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और दिवंगत क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी की बेटी हैं।

जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय'

'धुरंधर' की सफलता के बाद फैंस रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म 'प्रलय' के बारे में अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्ममेकर जय मेहता की जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। साथ ही फिल्म का एक बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'प्रलय' की शूटिंग सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक स्रोत ने बताया, 'रणवीर 2026 के दूसरे हाफ में जय मेहता के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में होगी और उन्होंने तैयारी शुरू भी कर दी है। फिल्म के बड़े पैमाने और जॉनर को देखते हुए इसके लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल तैयारी की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अभी ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है, जहां जय मेहता और उनकी टीम उन टेक्नीशियन्स के साथ मिलकर काम कर रही है जो पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स प्रोडक्शन शुरू होने से पहले फिल्म की विशाल पोस्ट-प्रोड्यूसिंग दुनिया बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रलय' काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी और राइटिंग टीम स्क्रीनले और फिल्म की बड़ी जॉम्बी दुनिया को बेहतर बनाने का काम जारी रखेगी।



महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए उम्मीद भरा दौर है

बीते दिन शुक्रवार को यश राज फिल्म्स के स्पाई युनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' रिलीज हुई, जिसमें आलिया बट और शायरी अहम लुकिताओं में हैं। इसी के साथ हुमा कुरेशी अभिनीत 'बेबी डू डाई डू' ने भी दस्तक दी। दोनों फिल्मों के रिलीज पर हाल ही में हुमा कुरेशी ने चुप्पी तोड़ी।

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में हुमा कुरेशी ने एक मूक बांधर दिव्यांग का किरदार अदा किया है। इस भूमिका के लिए उनकी काफी तारीफ हो रही है। हाल ही में हुमा ने फिल्म पर बात की। हुमा ने कहा, 'मैं एक ऐसी महिला किरदार का रोल कर रही हूँ, जो सुन या बोल नहीं सकती। यह कोई कमी या कमजोरी नहीं है, बल्कि असल में उसकी ताकत है। आमतौर पर यह माना जाता है कि किरदार हमेशा पुरुष ही होता है। महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए बढ़ते स्पेस के बारे में बात करते हुए हुमा कुरेशी ने कहा कि दर्शकों की बदलती उम्मीदों और अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की वजह से, मौजूदा समय महिलाओं के नेतृत्व वाली एक्शन फिल्मों के लिए एक उम्मीद भरा दौर है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम कहीं पीछे रहने वाले हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना

रही हैं। बातचीत के दौरान हुमा कुरेशी ने 'बेबी डू डाई डू' और 'अल्फा' के बॉक्स ऑफिस टकराव पर भी चुप्पी तोड़ी। हुमा ने दोनों महिला प्रधान फिल्मों के एक साथ आने का स्वागत किया। हुमा ने कहा, 'मैं 'अल्फा' को कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखती। मुझे लगता है कि हर तरह की फिल्में बनने और देखे जाने की गुंजाइश है। हमारी फिल्म डिस्ट्रिब्यूटली बनी है। मैं यह भी नहीं देख रही कि उस वीकएंड और क्या रिलीज हो रहा है? बस अपने दर्शकों तक पहुंचना चाहती हूँ। दूसरी ओर, मुझे यह बहुत अच्छा लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं जहां बॉक्स ऑफिस पर दो महिला-प्रधान फिल्में टकरा रही हैं। हम उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां यह असंभव है।



संपादकीय

योजनाओं की दूरी से ग्रामीण जीवन की बढ़ती मुश्किलें

भारत में समय-समय पर ऐसी अनेक योजनाएं शुरू की जाती हैं जिनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। स्वच्छ ईंधन, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएं केवल सुविधाएं नहीं हैं, बल्कि सम्मानजनक जीवन की आधारशिला भी हैं। लेकिन जब इन योजनाओं की जानकारी, प्रक्रिया या लाभ जरूरतमंद लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाता, तब सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है जिनके पास पहले से ही संसाधनों की कमी होती है। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए योजनाओं का कामज पर होना और जीवन में उसका असर महसूस होना, दोनों अलग-अलग अनुभव बन जाते हैं। यही दूरी रोजमर्रा के संघर्षों को और कठिन बना देती है।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित नरौली गांव इसकी एक झलक प्रस्तुत करता है। करीब 250 से अधिक घरों वाले इस गांव में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के परिवार रहते हैं। अधिकांश लोग दिहाड़ी मजदूरी, खेतिहार कार्य, छोटे-मोटे श्रम या स्वरोजगार के सहारे अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। दिन भर की मेहनत से जितनी आमदनी होती है, उसी से घर का खर्च चलता है। ऐसे में यदि किसी सरकारी योजना का लाभ समय पर मिल जाए तो वह परिवार की जितनी भी बड़ा बदलाव ला सकता है। लेकिन जब जानकारी अधूरी हो, कागजी प्रक्रिया पूरी न हो पाए या आवेदन बार-बार अधूरा रह जाए, तब योजनाएं लोगों की उम्मीद बनने के बजाय उनके लिए एक अधूरा सपना बन जाती हैं। गांव के कई परिवार आज भी उज्ज्वला योजना का पूरा लाभ नहीं प्राप्त कर सके हैं। परिणामस्वरूप उन्हें लकड़ी के चूल्हे पर ही खाना बनाना पड़ता है। रसोई में उठने वाला धुआं केवल आंखों में जलन या खांसी सहे तो सीमित नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे सांस संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। घर के भीतर घंटों तक धुएँ के बीच खाना बनाने का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ता है जो रसोई में सबसे ज्यादा समय बिताते हैं। यह केवल ईंधन का सवाल नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, समय और गरिमा से जुड़ा विषय भी है। मानसून आने के बाद यह कठिनाई और बढ़ जाती है। बारिश में लकड़ियां गीली हो जाती हैं, जिससे उन्हें जलाना आसान नहीं होता। कई बार भोजन तैयार करने में घंटों लग जाते हैं और कई बार चूल्हा जल ही नहीं पाता। ऐसे दिनों में परिवारों को कम भोजन में काम चलाना पड़ता है या फिर बिना भोजन किए रात बितानी पड़ती है। जिन परिवारों की रोजी-रोटी पहले ही अनिश्चित हो, उनके लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है। एक साधारण-सी सुविधा की अनुपलब्धता पूरे परिवार की दिनचर्या, स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण तक को प्रभावित करती है। गांव के 40 वर्षीय शिव कुमार ठाकुर बताते हैं कि उन्होंने उज्ज्वला योजना का लाभ पाने के लिए कई बार आवेदन किया, लेकिन हर बार कागजात में किसी न किसी कमी की बात कहकर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी यह है कि आखिर कौन-सा दस्तावेज अधूरा है और उसे कैसे पूरा किया जाए, इसकी स्पष्ट जानकारी उन्हें नहीं मिल पाती। सीमित आय वाले परिवार के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाना भी आसान नहीं होता। एक दिन काम छूटने का मतलब उस दिन की मजदूरी का नुकसान है, जो सीधे घर के खर्च पर असर डालता है। गांव की 55 वर्षीय नीलम देवी की कहानी भी इसी वास्तविकता को सामने लाती है। उनकी पांच बेटियां हैं और उनके पति दैनिक मजदूरी करते हैं। परिवार की आय इतनी नहीं है कि सभी जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। जब उनसे पूछा गया कि सरकार द्वारा गरीब परिवारों और लड़कियों की शिक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में उन्हें क्या जानकारी है, तो उन्होंने सहजता से कहा कि उन्हें ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है। उनका नाम केवल राशन कार्ड में दर्ज है और उसी के माध्यम से मिलने वाली सुविधा तक ही उनकी पहुंच है। इसके अतिरिक्त किसी ने उन्हें अन्य योजनाओं की जानकारी नहीं दी और न ही वे कभी उन तक पहुंच सकीं। यह स्थिति बताती है कि केवल योजना शुरू कर देना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसकी जानकारी हर उस व्यक्ति तक पहुंचना भी उतना ही जरूरी है जिसके लिए वह बनाई गई है।



संपादक
शान मोहम्मद



ललित गर्ग

प्रति वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- 'युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विषय के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है। भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून

के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, वैैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है। पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जगणगण और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक धुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस

फिजियोथेरेपी की अहमियत: दर्द से राहत ही नहीं, स्वस्थ जीवन की कुंजी



शालिनी गौतम
पत्रकार, स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हाल ही में नीरज अरोड़ा स्मृति चिकित्सक गौरव सम्मान से सम्मानित

प्रश्न 1. सबसे पहले हमारे पाठकों को बताइए कि फिजियोथेरेपी क्या है?

डॉ. संजय कुमार: फिजियोथेरेपी एक वैज्ञानिक उपचार पद्धति है, जिसके माध्यम से व्यायाम, मैनुअल थेरेपी और आधुनिक तकनीकों की सहायता से दर्द कम किया जाता है तथा शरीर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाया जाता है।

प्रश्न 2. किन लोगों को फिजियोथेरेपी की आवश्यकता पड़ती है?

डॉ. संजय कुमार: कमर दर्द, गर्दन दर्द, घुटनों की समस्या, स्पोर्ट्स इंजरी, लकवा, फ्रैक्चर के बाद रिकवरी, ऑपरेशन के बाद पुनर्वास और बुजुर्गों की चलने-फिरने की समस्याओं में फिजियोथेरेपी बेहद लाभकारी होती है।

प्रश्न 3. क्या फिजियोथेरेपी केवल दर्द कम करने तक ही सीमित है?

डॉ. संजय कुमार: बिल्कुल नहीं। इसका उद्देश्य मरीज को शारीरिक रूप से पहले से अधिक सक्षम बनाना, मांसपेशियों को मजबूत करना, शरीर का संतुलन सुधारना और भविष्य में होने वाली समस्याओं से बचाव करना भी है।

प्रश्न 4. क्या हर दर्द में दवा जरूरी होती है?

डॉ. संजय कुमार: ऐसा आवश्यक नहीं है। कई मामलों में समय पर फिजियोथेरेपी शुरू करने से दवाइयों की आवश्यकता कम हो जाती है और मरीज जल्दी स्वस्थ हो सकता है।

प्रश्न 5. आजकल मोबाइल और लैपटॉप का अधिक उपयोग करने वालों के लिए आंखों क्या सलाह है?

डॉ. संजय कुमार: लगातार बैठकर काम करने से बचें। हर 30-40 मिनट में थोड़ा टहलें,



स्ट्रेचिंग करें, सही पोस्चर बनाए रखें और नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

प्रश्न 6. फिजियोथेरेपी से मरीजों को क्या-क्या लाभ मिलते हैं?

डॉ. संजय कुमार: दर्द में राहत, मांसपेशियों की मजबूती, शरीर का लचीलापन, चोट से जल्दी रिकवरी, चलने-फिरने की क्षमता में सुधार और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि इसके प्रमुख



विशेष अतिथि : डॉ संजय कुमार

लाभ हैं।

प्रश्न 7. फिजियोथेरेपी में कौन-कौन सी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है?

डॉ. संजय कुमार: एक्सरसाइज थेरेपी, मैनुअल थेरेपी, इलेक्ट्रोथेरेपी, अल्ट्रासाउंड थेरेपी, लेजर थेरेपी, ट्रैक्शन, स्ट्रेचिंग और आधुनिक रिहैबिलिटेशन तकनीकों का उपयोग मरीज की आवश्यकता के अनुसार किया

जाता है।

प्रश्न 8. अंत में हमारे पाठकों के लिए आपका क्या संदेश है?

डॉ. संजय कुमार: अपने स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें। दर्द को सहने के बजाय समय रहते विशेषज्ञ से सलाह लें। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और सकारात्मक जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।

पत्रकार शालिनी गौतम:

डॉ. संजय कुमार जी, आपने फिजियोथेरेपी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें साझा कीं। इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ. संजय कुमार:

मैं स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र और आपकी पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूँ। आशा है कि यह जानकारी लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने के लिए प्रेरित करेगी।

विशेष साक्षात्कार:

स्वदेश प्रेम राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

साक्षात्कारकर्ता: श्रीमती शालिनी गौतम (पत्रकार)

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार, अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूँका



नीरज कुमार दुबे

नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सर्वर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र को सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। गृह मंत्र ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा



अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भारीसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलगत सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे की भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पर से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाया भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज

कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थायी रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संपातित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साहब्र अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा। अमित शाह द्वारा प्रस्तुत यह नई रणनीति केवल सीमा सुरक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, सामरिक शक्ति और भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने वाला व्यापक अभियान बनकर उभर रही है। हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए अमित शाह स्वयं भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित किया, नियंत्रण रेखा का निरीक्षण किया, भारत-पाक सीमा के अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र जाकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और महिला जवानों के लिए नई बैरकों का उद्घाटन किया। स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल लक्षित नीतियां बनाते तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक निगरानी प्रणाली, तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र, मजबूत समन्वय और प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे सीमा सुरक्षा ढांचे को नए हिसरे से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।



प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हों। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब झुड़कें करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलाने दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं—शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत



अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की ट्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जाती। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चांदर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसे को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। त-वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यही मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।



क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रेंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रेस है, जो

हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी।

रिड जींस

रिड जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिड जींस न हों। एक दशक पहले ट्रेंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनती तो उसे ब्लेड से कट करके रिड जींस का लुक दे सकती हैं। रिड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ विवर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैंगी जींस

बैंगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कफर्टेबल होती हैं। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रेंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर हैं। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रेस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चोकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती हैं, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वॉकिंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही विलयर है कि ये जींस कैसी होगी। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।



बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसें से जुड़ी ये गलतियां

पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनैशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनैशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा

सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती हैं। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनैशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।



कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती हैं। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती हैं। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती हैं। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली हैं तो

इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी इस से मैचिंग रंग चुन सकती हैं।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हेवी व बोल्ट मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली हैं तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती हैं। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही हैं मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशज लगाने की गलती ना करें।



इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलिकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकोश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन तत्व के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर

के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी हैं जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते हैं लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्रियों के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही आपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।